WCL
Western Coalfieds Limited

प्रगति

कोयला हमारा, सफलता आपकी

श्री जे. पी. द्विवेदी
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, वेकोलि

वर्ष 2023 - 2024

वेकोलि का दूरदर्शी नेतृत्व

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री. जे. पी. द्विवेदी

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की स्थापना 01 नवंबर 1975 को हुई।

वेकोलि का कार्य महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उड़ीसा में विस्तारित था। यह कार्यक्षेत्र आजकल WCL, SECL का प्रमुख हिस्सा और MCL है।

वेकोलि राष्ट्रीय कोयला उत्पादन में लगभग 7.2% का योगदान देता है।

राष्ट्र के कुल कोयला संसाधन में से 4.7% कोल रिज़र्व वेकोलि के पास है।

प्रगति

WCL
Western Coalfieds Limited

वेकोलि के क्षेत्र

राज्य		क्षेत्र	UG	OC
महाराष्ट्र	वर्धा वैली	चंद्रपुर	02	03
		बल्लारपुर	01	06
		माजरी	-	03
		वणी	-	05
		वणी नॉर्थ	01	05
	कामठी	नागपुर	05	05
	उमरेड	उमरेड	-	04
मध्य प्रदेश	पेंच-कन्हान	पेंच	04	01
		कन्हान	03	00
	पाथाखेड़ा	पाथाखेड़ा	04	00

कुल 52 खदानें

प्रगति

महाराष्ट्र (40 खदानें)

नागपुर जिला

नागपुर क्षेत्र			उमरेड क्षेत्र	
10 खदानें	05 UG	05 OC	04 खदानें	04 OC

यवतमाल जिला

वणी नॉर्थ क्षेत्र			वणी क्षेत्र	
06 खदानें	01 UG	05 OC	04 खदानें	04 OC

चंद्रपुर जिला

क्षेत्र	कुल खदानें	UG/OC
बल्लरपुर क्षेत्र	07 खदानें	01 UG 06 OC
चंद्रपुर क्षेत्र	05 खदानें	02 UG 03 OC
माजरी क्षेत्र	03 खदानें	03 OC
वणी क्षेत्र	01 खदानें	01 OC

मध्य प्रदेश (12 खदानें)

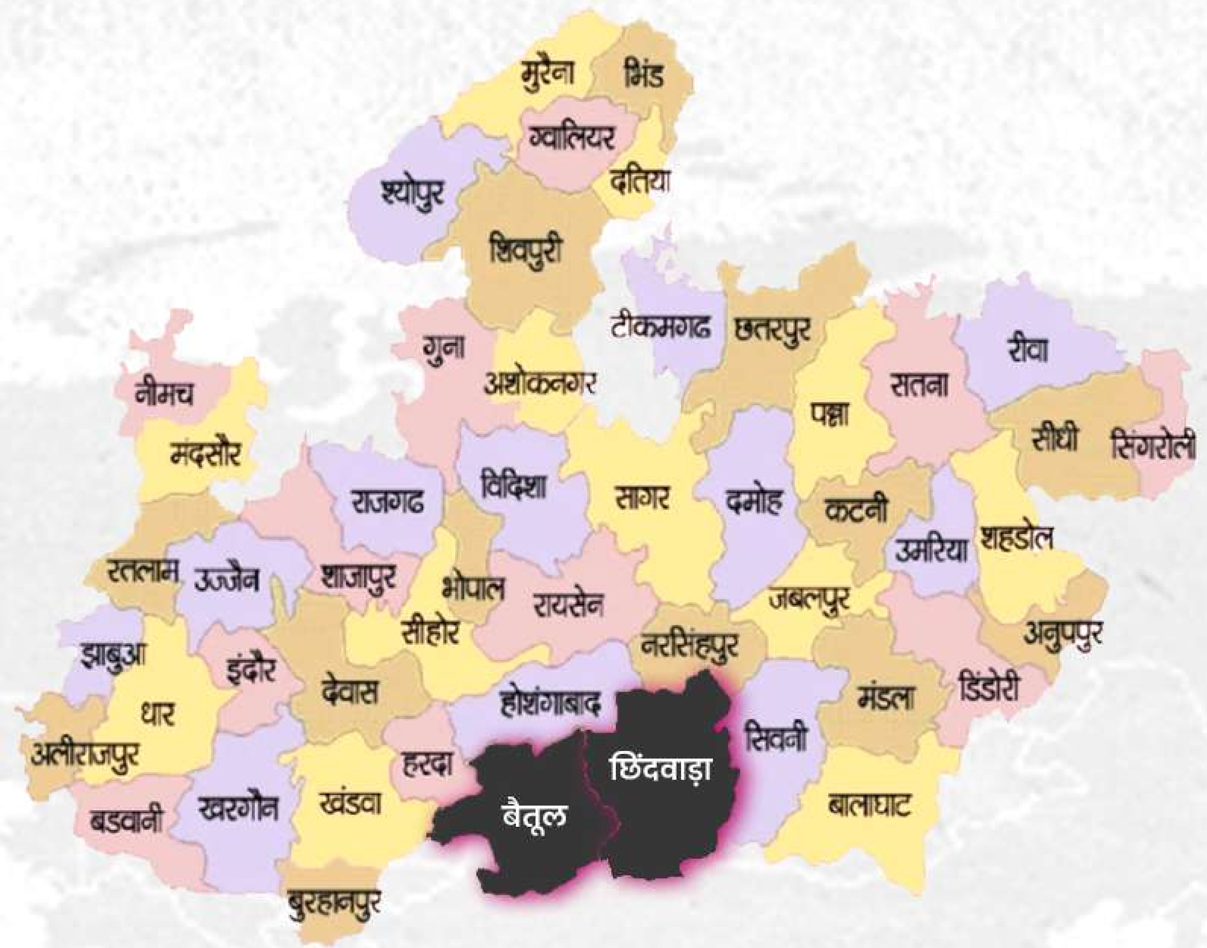

छिंदवाड़ा जिला

पेंच क्षेत्र			कन्हान क्षेत्र	
05 खदानें	04 UG	01 OC	03 खदानें	03 UG

बैतूल जिला

पाथाखेड़ा क्षेत्र
04 UG खदानें

प्रगति

कोयला उत्पादन (वित्तीय वर्ष 2013-14 से 2023-24 तक)

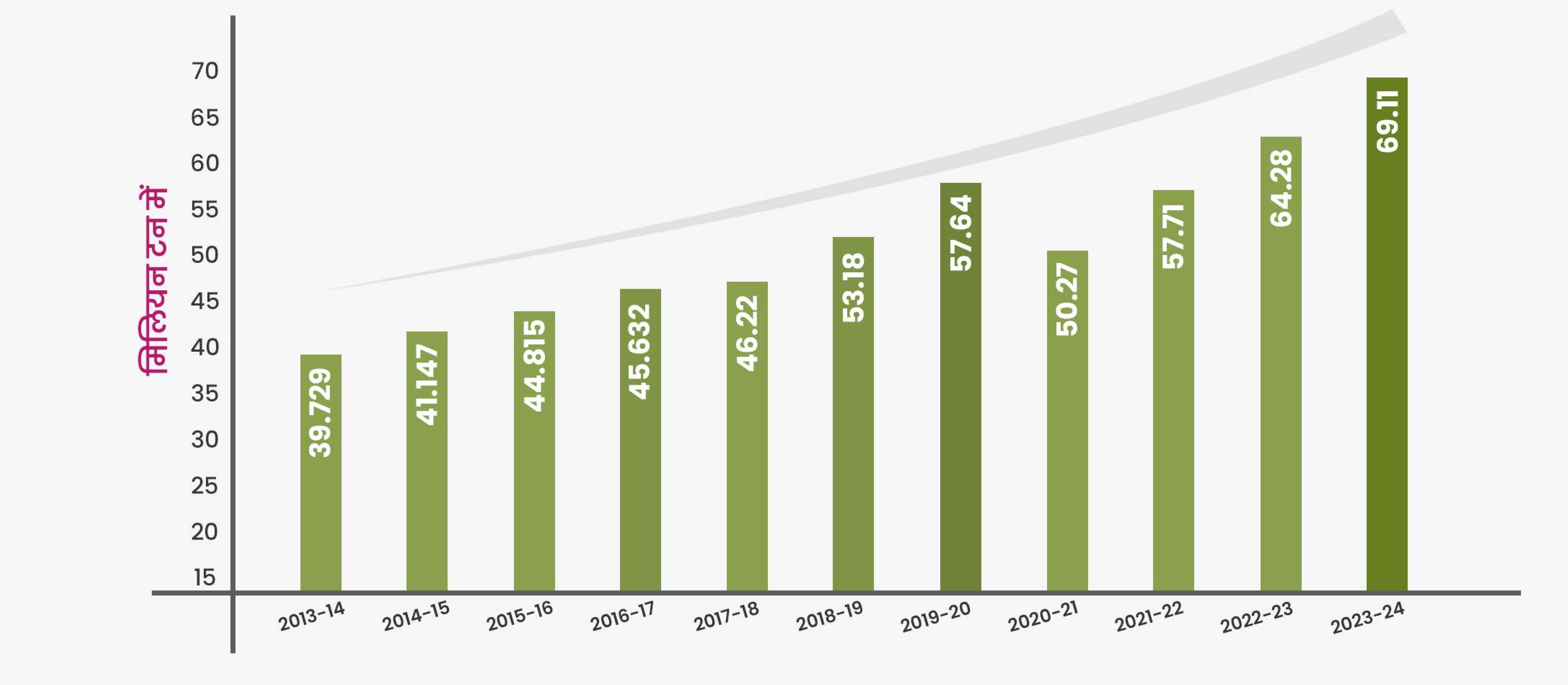

ऑफटेक (वित्तीय वर्ष 2013-14 से 2023-24 तक)

प्रगति

WCL Western Coalfieds Limited

ओवरबर्डन रिमूवल (वित्तीय वर्ष 2013-14 से 2023-24 तक)

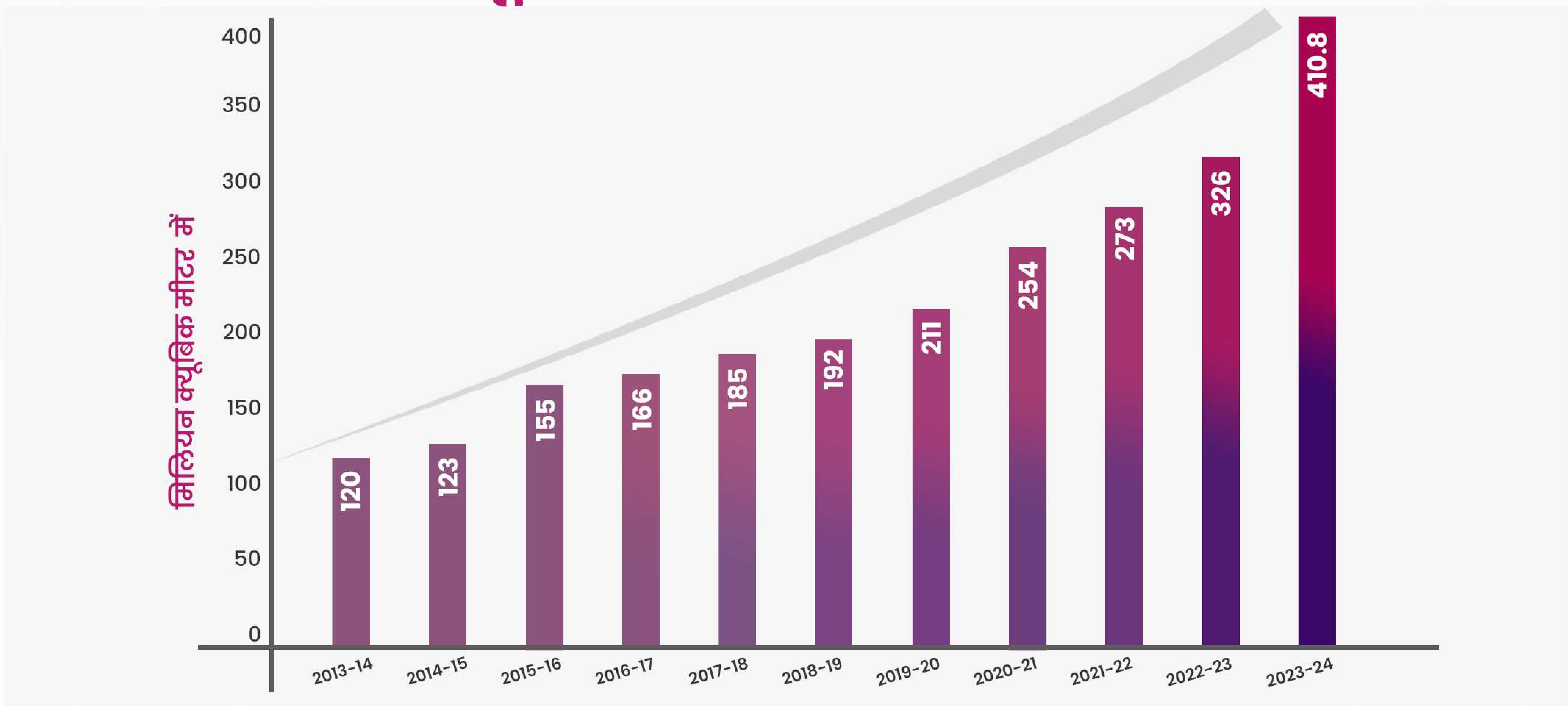

वेकोलि की गत पाँच वर्षों की वित्तीय स्थिति

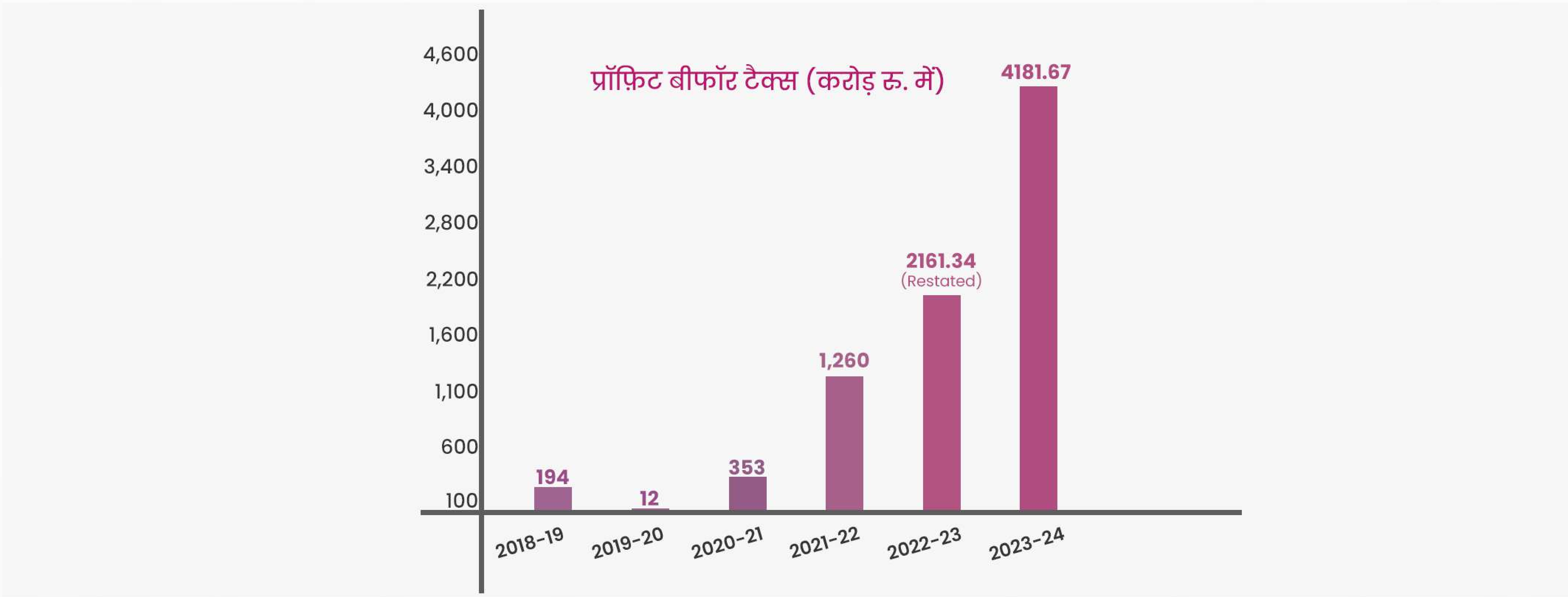

वेकोलि – हरदम आगे

वर्ष 2023-24 में वेकोलि ने न केवल अपने निर्धारित लक्ष्यों को हासिल किया, बल्कि उसके आगे बढ़ते हुए अपने अपेक्षित लक्ष्यों को भी प्राप्त किया है। इस वर्ष टीम वेकोलि ने अपने पुराने सारे रेकॉर्ड तोड़े।

टीम वेकोलि ने Physical Performance Parameters के तीनों ही मापदंडों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और अपने वार्षिक लक्ष्यों को प्राप्त ही नहीं किया, बल्कि उसके आगे उल्लेखनीय बढ़त दर्ज की।

WCL
Western Coalfieds Limited

कोयला उत्पादन

वित्तीय वर्ष 2023-24 में वेकोलि ने कोयला उत्पादन के निर्धारित 68 मिलियन टन के लक्ष्य से आगे बढ़ते हुए 69.11 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया है, जो गत वर्ष से 4.83 मिलियन टन अधिक है। वेकोलि ने **7.5%** की वृद्धि हासिल की है।

कोयला प्रेषण

कोयला प्रेषण में वेकोलि ने 68 मिलियन टन के लक्ष्य को पार करते हुए वर्ष 2023-24 में 70.20 मिलियन टन कोयले का प्रेषण किया। इस वर्ष का प्रेषण, गत वर्ष से **8.03** मिलियन टन अधिक है।

12.9% की वृद्धि

WCL
Western Coalfieds Limited

ओबी रिमूवल

वेकोलि ने OBR के पुराने सारे रेकॉर्ड तोड़ते हुए 410.8 मिलियन क्यूबिक मीटर ओबी रिमूवल किया है। यह वेकोलि के निर्धारित लक्ष्य से 51.8 मिलियन क्यूबिक मीटर अधिक है। गत वर्ष की तुलना में वेकोलि ने **25%** की वृद्धि हासिल की।

01 अप्रैल 2024 को सीएमडी श्री जय प्रकाश द्विवेदी ने "रु-ब-रु" कार्यक्रम के माध्यम से टीम वेकोलि के साथ किया सीधा संवाद। वर्ष 2023-24 की उपलब्धियों को लिए पूरी टीम को बधाई दी।

WCL
Western Coalfieds Limited

ओवरबर्डन से सैंड सेग्रीगेशन

वेकोलि के खदानों में उच्च स्ट्रिपिंग अनुपात के कारण कोयला उत्पादन के लिए अधिक ओबी रिमूवल की आवश्यकता होती है। ओवरबर्डन के लाभकारी उपयोग की दृष्टि से वेकोलि ने वित्तीय वर्ष 2020-21 में सैंड सेग्रीगेशन प्लांट (SSP) स्थापित किए। इस प्लांट के द्वारा ओवरबर्डन से रेत अलग की जाती है। ओबी डंप से प्रोसेस्ड सैंड को नदी की रेत का बेहतर विकल्प माना जा सकता है। यह प्रोसेस्ड सैंड नदी की रेत से किफायती होती है तथा इस माध्यम से नदी के इकोसिस्टम का संवर्धन भी संभव है।

सैंड सेग्रीगेशन प्लांट

बल्लारपुर OCM (2000 क्यूबिक मीटर प्रतिदिन)
भानेगांव OCM (250 क्यूबिक मीटर प्रतिदिन)
आगामी - दुर्गापुर OCM (1000 क्यूबिक मीटर प्रतिदिन)

गैर-कोयला संसाधनों के पुनःउपयोग की पहल के तहत ओवरबर्डन से अलग की हुई लगभग 2.10 लाख M^3 रेत की बिक्री से नवंबर, 2017 से 2023-24 तक कुल ₹ 12.35 करोड़ की आय प्राप्त हुई है।

कोल गैसिफिकेशन

सतही कोयला गैसिफिकेशन का उपयोग करके सिनगैस (एसएनजी) के उत्पादन की परियोजना माजरी क्षेत्र के जूना कुनाडा में प्रस्तावित है।

कोयले से एसएनजी बनाने की परियोजना Lump Sum Turn Key मोड पर क्रियान्वित की जाएगी। इस परियोजना के स्थापना का वित्तीय व्यय कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा किया जाएगा।

कोयले का स्रोत : वणी क्षेत्र की निलजई एक्सपानशन खुली खदान।

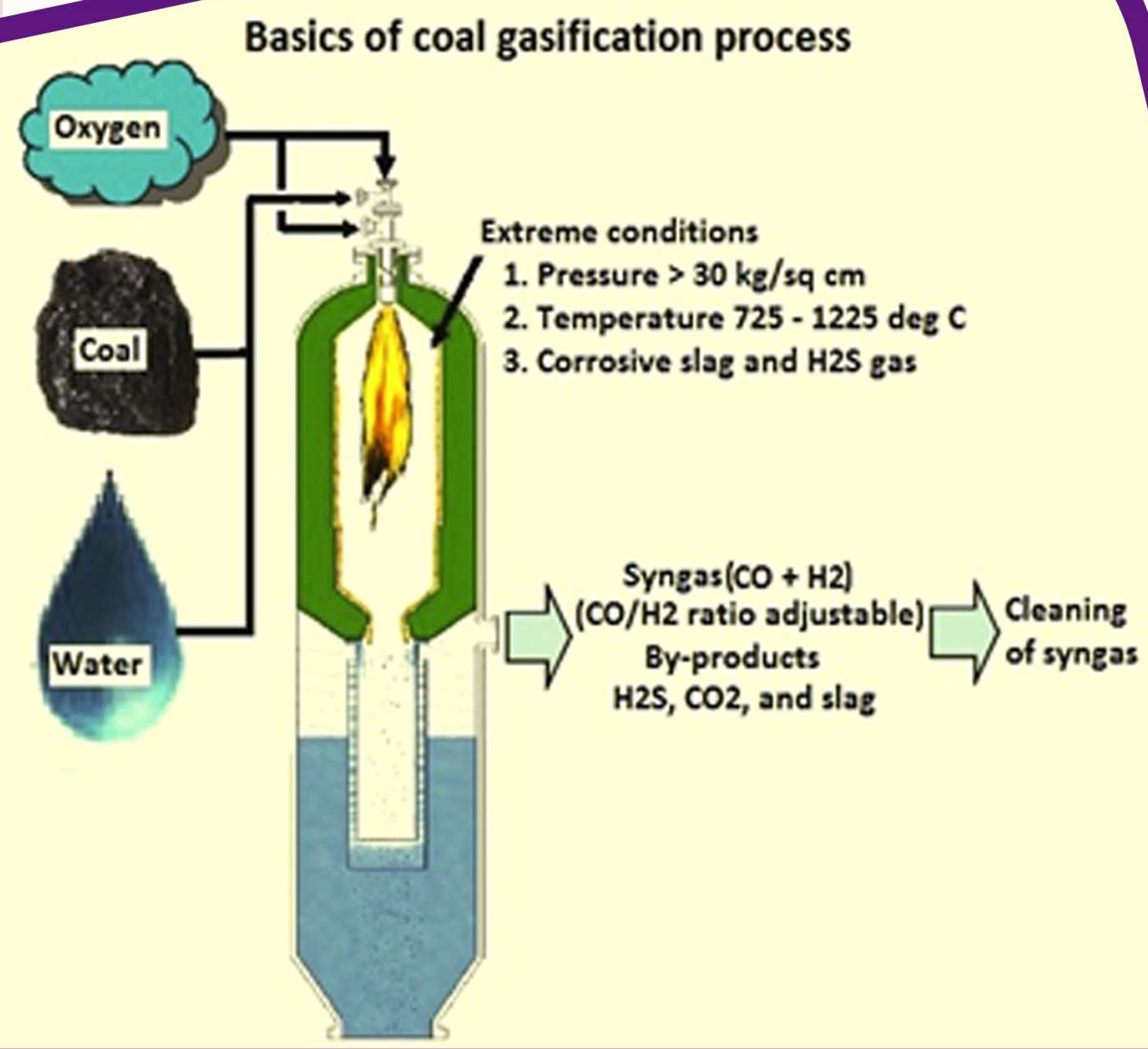

WCL
Western Coalfieds Limited

कन्टिन्यूअस माइनर तकनीकी

भूमिगत खदान से प्रभावी रूप से कोयला निकालने के लिए कन्टिन्यूअस माइनर तकनीकी का प्रयोग किया जाता है। इस तकनीकी के माध्यम से ड्रिलिंग और ब्लासटिंग की आवश्यकता पूरी तरह समाप्त हो जाती है तथा खनन कार्य सुगमता से किया जा सकता है। कन्टिन्यूअस माइनर तकनीकी से स्ट्राटा कंट्रोल मे सुधार, कोयले की गुणवत्ता में वृद्धि तथा कुल उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी सुनिश्चित की जा सकती है।

खदान	CM की संख्या और प्रकार	क्षमता (MTY)
तवा II, पथखेड़ा क्षेत्र	01 LHCM	0.36
छत्तरपुर - I, पथाखेड़ा क्षेत्र	01 LHCM	0.36
तवा I, पथखेड़ा क्षेत्र	01 LHCM	0.36

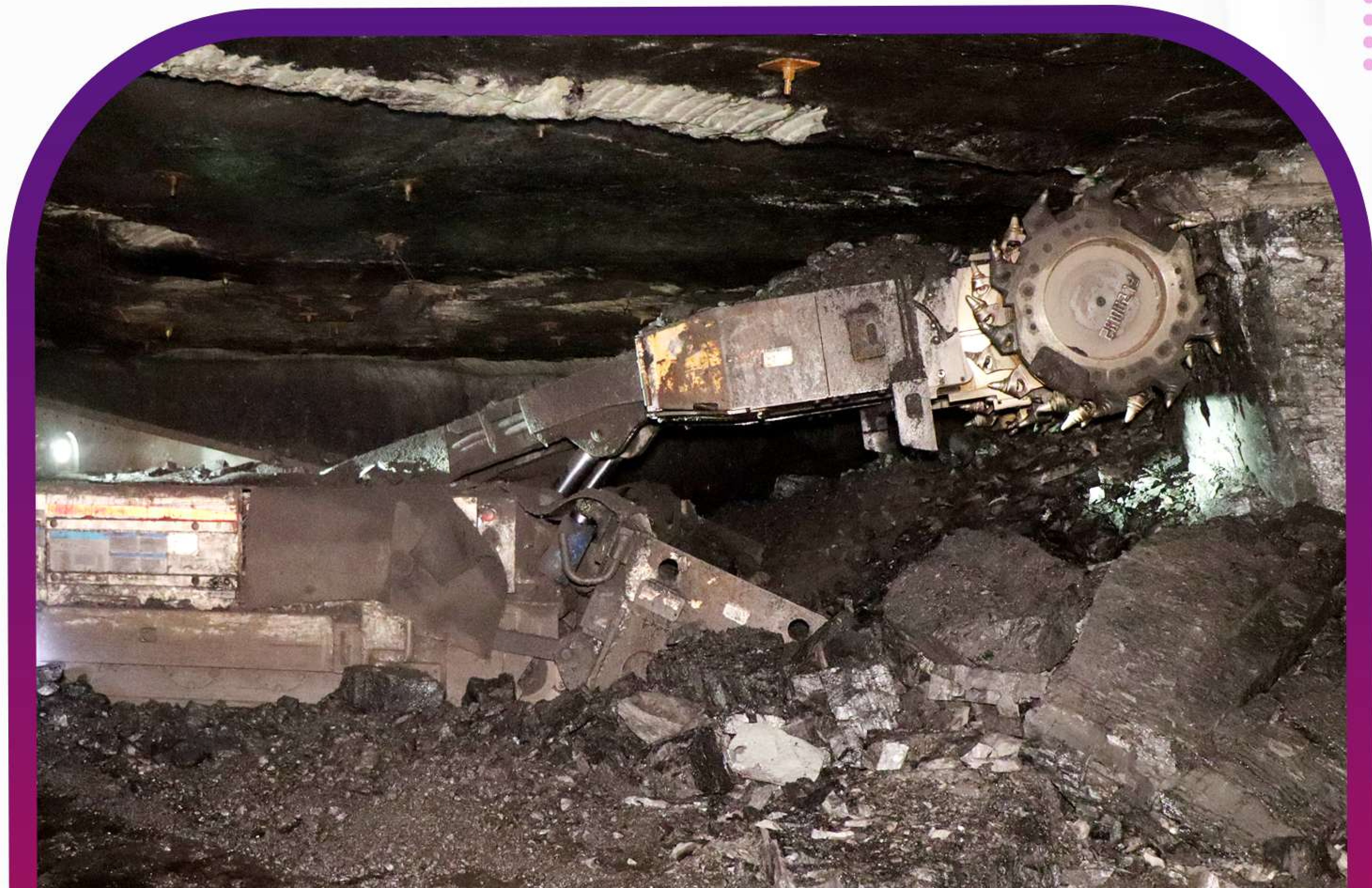

स्टार रेटिंग खदान

कोयला मंत्रालय द्वारा वर्ष 2021-22 के लिए वेकोलि की अदासा यूजी टू ओसी तथा वर्ष 2020-21 के लिए मुंगोली खदान को स्टार रेटिंग अचीवर्स पुरस्कार से नवाजा गया है। उक्त अवार्ड माननीय कोयला मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी के करकमलों से नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में प्रदान किए गए। वेकोलि की ओर से निवर्तमान सीमडी श्री मनोज कुमार तथा नागपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय महाप्रबंधक श्री सुनील कुमार एवं वणी क्षेत्र के क्षेत्रीय महाप्रबंधक श्री आभाष चंद्र सिंह ने यह पुरस्कार ग्रहण किए।

Integrated Command and Control Centre(ICCC)

वेकोलि में कुछ बिलकुल नए प्रयोग हुए है, जिनका अब कोल इंडिया की अन्य अनुषंगी कंपनियाँ भी अनुकरण कर रही हैं। Integrated Command and Control Centre (ICCC) ऐसी ही एक पहल है। ICCC के माध्यम से वेकोलि की सभी खदानों को ई-सर्विलेंस से जोड़ा गया है।

वेकोलि के इस अभिनव पहल को 'इनोवेशन मैनेजमेंट' की श्रेणी में **गोल्डन पीकॉक इनोवेशन मैनेजमेंट अवार्ड 2023** से नवाज़ा गया है।

ICCC के साथ ही, वेकोलि में जीपीएस धारित वाहनट्रैकिंग प्रणाली, आरएफआईडी धारित बूमबैरियर्स एवं वेब्रिज, ओसी खदानों की ड्रोन निगरानी आदि से भी सर्विलेंस किया जाता है।

तकनीकी उन्नयन

समयानुसार वेकोलि ने अपनी कार्यप्रणाली मे नई तकनीकी का यथोचित समावेश किया है। ब्लास्ट फ्री खनन को सुनिश्चित करने के लिए, वर्तमान में, वेकोलि में 06 सरफेस माइनर एवं 03 कन्टिन्यूयस माइनर कार्यरत है।

भविष्य में 04 अतिरिक्त सरफेस माइनर तथा योजनाबद्ध अंतराल में 21 और कन्टिन्यूयस माइनर लगाने की योजना है।

फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (FMC) प्रोजेक्ट

कोयला परिवहन प्रक्रिया को गति देने के उद्देश्य से उमरेड क्षेत्र के एमकेडी-III और वणी क्षेत्र की मुंगोली खदान में फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट का कार्य प्रगति पर है। हाल ही में, बल्लारपुर क्षेत्र की सास्ती खदान के लिए भी फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है।

पर्यावरण संरक्षण

पर्यावरण संरक्षण वेकोलि के लिए सदा ही महत्वपूर्ण विषय रहा है। स्थाई विकास की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2023-24 में वेकोलि ने 227.11 हेक्टेयर भूमि पर 5,31,520 पौधों का रोपण किया है।
वेकोलि के क्षेत्रों के आस-पास के लोगों एवं बच्चों को ज्ञान व मनोरंजन मिले, इस उद्देश्य से इको पार्क का निर्माण किया गया है। इस पहल के अंतर्गत नागपुर क्षेत्र में **महात्मा गांधी इको पार्क,** पेंच क्षेत्र में **बाल गंगाधर तिलक इको पार्क** तथा चंद्रपुर क्षेत्र में **नीम वाटिका** का निर्माण किया गया है।

सुरक्षा

खनन कार्य में सुरक्षा हमेशा ही वेकोलि की प्राथमिकता रही है। इस दिशा में कई सकारात्मक कदम उठाए गए है, जिनमें सभी खदानों का अंतर क्षेत्रीय Multi Disciplinary Team के द्वारा Safety Audit किया जाना, सुरक्षा प्रशिक्षण के लिए HEMMTI, Durgapur में Universal Equipment Simulator को कमीशन किया जाना आदि शामिल है। ऐसे अनेक पहल किए गए है जिससे खनन कार्य में सुरक्षा बढ़ी है तथा दुर्घटनाओं में कमी आई है।

फारेस्ट क्लीयरेंस (FC) और एनवायरमेंट क्लीयरेंस (EC)

इस एक वित्तीय वर्ष में FC & EC के मद में वेकोलि की सफलता उल्लेखनीय रही है। गांधीग्राम अंडरग्राउंड और तवा-III अंडरग्राउंड के Linear Road & Transmission Line के लिए गांधीग्राम अंडरग्राउंड के 3.283 हेक्टेयर वन भूमि का Stage II Forest Clearance प्राप्त हुआ। इसी प्रकार तावा-II अंडरग्राउंड एक्सपैंशन की 201.079 हेक्टेयर वन भूमि एवं जमुनिया यूजी के 54.639 हेक्टेयर वन भूमि के लिए भी Stage - II Forest Clearance प्राप्त हुआ है। जमुनिया यूजी के 54.639 हेक्टेयर वन भूमि के लिए Possession Order जारी किया गया है।

दुर्गापुर डीप एक्सटेंशन ओपन कास्ट, जिसमें 121.58 हेक्टेयर वन भूमि शामिल है, को Wildlife Clearance प्राप्त हुआ है। इस भूमि का भी Possession Order जारी किया गया है। शारदा अंडरग्राउंड के 9.50 हेक्टेयर और महादेवपुरी अंडरग्राउंड के लिए 166.41 हेक्टेयर के Forest Clearance का extension मिला है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्राप्त पर्यावरण मंजूरी

1. न्यू सेठिया खुली खदान के लिए 0.50 MTPA
2. छिंदा खुली खदान के लिए 0.65 MTPA
3. सिंगोरी खुली खदान के लिए 1.20 MTPA
4. तवा-III अंडरग्राउंड के लिए 0.48 MTPA
5. सास्ती खुली खदान के लिए 2.5 MTPA
6. मकरधोकाडा-I के लिए 4.20 MTPA
7. अमलगमेटेड येकोना I & II खुली खदान के लिए 2.75 MTPA

न्यू बिज़नेस मॉडल

समय के साथ कोयला उद्योग में भी बड़े परिवर्तन आए हैं। अलग-अलग बिज़नेस मॉडल अपनाए जा रहे हैं, जिससे कोयला खनन में कार्यक्षमता के साथ-साथ वित्तीय व्यवहार्यता बढ़े। ऐसे ही एक नए बिज़नेस मॉडल को अपनाते हुए, वेकोलि ने माह फरवरी 2024 में नागपुर क्षेत्र की ए बी इनक्लाइन भूमिगत खदान के कार्य-प्रारंभ, पुनर्वास, विकास एवं संचालन करने हेतु एक्सएनर्जीस माइंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ एग्रीमेंट किया है। यह एग्रीमेंट रिवेन्यू शेयरिंग आधार पर, 25 वर्षों के लिए किया गया है। ए बी इनक्लाइन भूमिगत खदान शीघ्र ही राष्ट्र की कोयला आवश्यकताओं को पूर्ण करने में अपना योगदान देगी।

11 सितंबर, 2023 को वेकोलि तथा वेंसार कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड के मध्य वलनी भूमिगत खदान का कार्य प्रारंभ करने हेतु एग्रीमेंट एक्सचेंज किया गया। वेकोलि के नागपुर क्षेत्र की वलनी भूमिगत खदान दीर्घ काल से बंद है। वेंसार कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड के साथ किए एग्रीमेंट के तहत अब इस खदान में खनन कार्य प्रारंभ होगा। यह एग्रीमेंट 25 वर्षों की अवधि के लिए, रिवेन्यू शेयरिंग आधार पर किया गया है। इस अवधि में प्रस्तावित कुल कोयला उत्पादन 6.05 मिलियन टन होगा। वलनी खदान से प्रति वर्ष 0.25 मिलियन टन कोयला उत्पादन अनुमानित है।

NET ZERO कंपनी

वेकोलि के लिए लगने वाली बिजली, कंपनी में ही उत्पादित हो, इस उद्देश्य से वर्ष 2026-27 तक Net Zero का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान में सोलर यंत्र के जरिए 2.08 Mega Watt की उत्पादित क्षमता को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाया जाएगा। पेंच क्षेत्र में 15 Mega Watt के सोलर पॉवर प्लांट का कार्य प्रगति पर है। आगे, चंद्रपुर क्षेत्र में 70 Mega Watt और कन्हान क्षेत्र में 35 Mega Watt के सोलर पॉवर प्लांट लगाने की योजना है।

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व

Project TARASH

WCL Super 30 – Project TARASH (Talent Amplification of Rural youth through Aggressive Skill Hunt) के जरिए विद्यार्थियों को IIT JEE और NEET की परीक्षा की तैयारी के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण अवधि 2 वर्ष की है।

Project SUSHRUTA

नागपुर जिले के लगभग 25000 लोगों को Thalassemia और Sickle Cell जैसी बीमारियों के लिए जांचा गया तथा आवश्यकतानुसार समुचित परामर्श दिया गया।

Project PANKH

Project PANKH के जरिए महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के 50 स्कूलों में Sanitary Pad Vending Machine और Incinerators की व्यवस्था की गई।

Coal India
The Proud Team WCL

वर्ष 2023-24 की कुछ झलकियाँ...

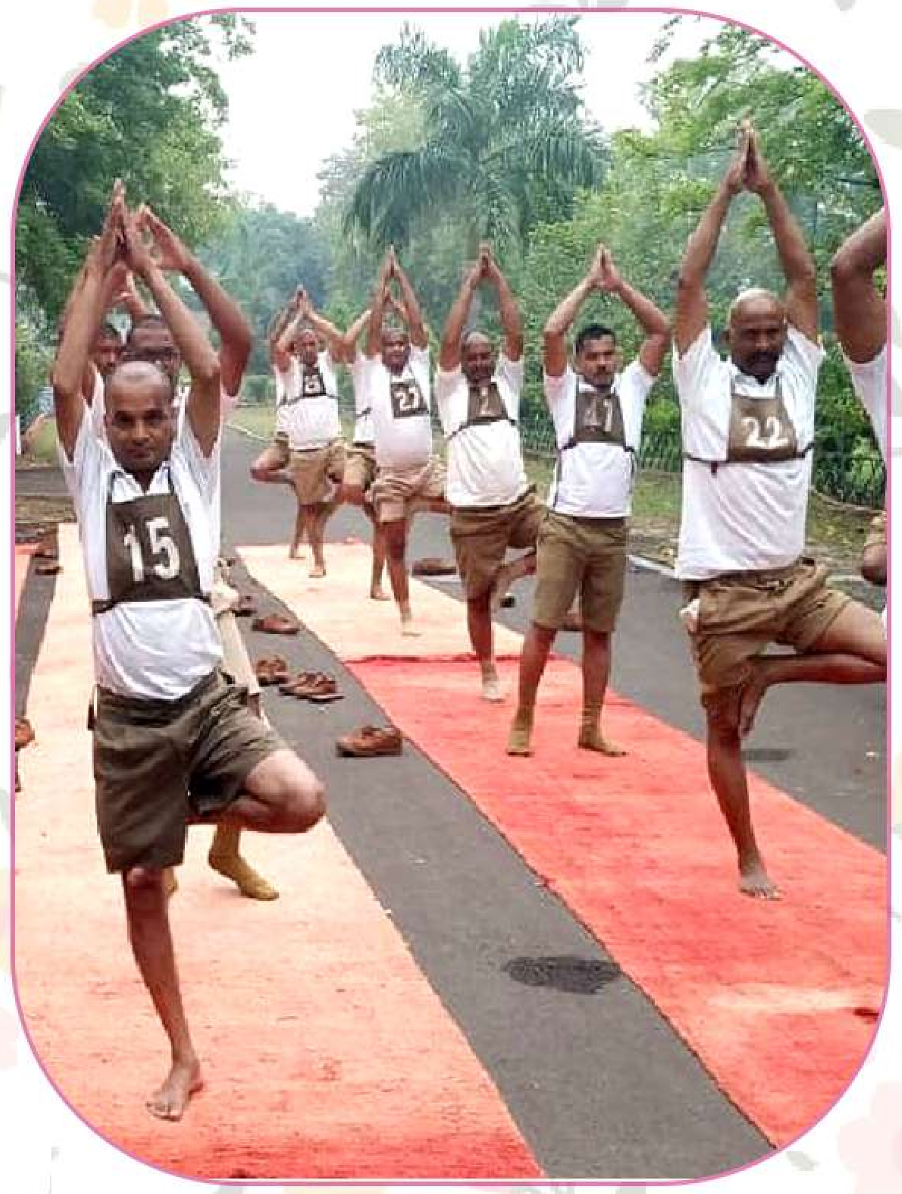

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

(एक मिनी रत्न कंपनी)
(कोल इंडिया लिमिटेड की एक सहायक कंपनी)

कोल इस्टेट, सिविल लाईंस, नागपुर, महाराष्ट्र 440001